.

# प्रेस विज्ञप्ति

रायपुर, दिनांक 2 फरवरी, 2014

## -विधानसभा में सदस्यों को राजनैतिक दीवार से उपर उठना चाहिए - श्री रविशंकर प्रसाद

## ◌विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम का दूसरा दिन

छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय में निर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम के समापन सत्र में आज राज्यसभा के उप नेता प्रतिपक्ष श्री रविशंकर प्रसाद ने सदस्यों को सम्बोधित किया। उन्होंने अपने सुदीर्घ राजनैतिक जीवन के अनुभवों को मान. सदस्यों को बताया एवं उन्हें सफल एवं प्रभावी विधायक बनने के गुर बताये। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल, मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री टी.एस. सिंहदेव, संसदीय कार्यमंत्री श्री अजय चन्द्राकर, मान. मंत्रीगण, विधायकगण एवं विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा उपस्थित थे।

राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष श्री रविशंकर प्रसाद ने सदस्यों को प्रभावी एवं सफल विधायक बनने के गुर बताते हुए कहा कि - किसी भी मान. सदस्य को सभा में कभी भी बिना तैयारी के नहीं बोलना चाहिए। विधायक को हर विषय पर बोलने से बचना चाहिए एवं विधानसभा के पुस्तकालय का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। श्री प्रसाद ने कहा कि - किसी मान. सदस्य का विधानसभा में दिया गया 5 से 7 मिनट का अच्छा भाषण 50 घंटे के शोर-शराबे से अधिक प्रभावी होता है।

विधानसभा में तनाव होता है, लेकिन यह तनाव मर्यादित होना चाहिए।

एक विधायक पार्टी का कार्यकर्ता, अपने क्षेत्र का जन-प्रतिनिधि होता है। लेकिन अपनी राजनैतिक बाध्यताओं के बावजूद उसे अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन कर अपने क्षेत्र की समस्याओं को सभा में उठाकर उसे अपनी एक विशिष्ट पहचान बनानी चाहिए। एक मान. सदस्य को किन विषयों पर बोलना है उसका पूर्व में ही चयन कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि - मान.सदस्यों को संसद एवं विधान मण्डलों में सीखने के लिए दलों की राजनैतिक दीवार से ऊपर उठना चाहिए। पक्ष एवं विपक्ष में मतभेद होना चाहिए मनभेद नहीं। सदस्यों को अपनी बात सभा में पूरे विश्वास एवं प्रमाणिकता के साथ उठानी चाहिए। नव-निर्वाचित मान. सदस्यों को अपने वरिष्ठों के भाषण को ध्यान से सुनना चाहिए इससे उन्हें उनके अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा।

लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि - लोकतंत्र हमें जोड़ता है। देश में जाति, धर्म, भाषा एवं क्षेत्रवाद के नाम पर टकराव होते हैं। इन सबके बावजूद हमारी सांस्कृतिक एकता हमें जोड़ती है, यह हमारे लोकतंत्र की मजबूती को प्रदर्शित करता है। उन्होंने विधायकों को प्रतिदिन कम से कम 05 समाचार पत्र पढ़ने एवं उनके लेखों का संकलन भी तैयार करने को कहा जिससे कि वे उनका उपयोग सभा में अपने भाषणों के दौरान कर सकें।

.

कार्यक्रम के अंत में विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने श्री रविशंकर प्रसाद को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री टी.एस. सिंहदेव, एवं संसदीय कार्यमंत्री श्री अजय चन्द्राकर को शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया।

अंत में संसदीय कार्यमंत्री श्री अजय चन्द्राकर ने प्रबोधन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।